भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

ल खत प्रश्न सं. 628

गुरूवार, 21 जुलाई, **202**2/30 आषाढ़, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आईआईटीएफ प्रमाणन कार्यक्रम का संशोधन

628. श्रीमती प्रयंका चतुर्वेदीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार मानती है क पर्यटन क्षेत्र में नियोजित युवाओं की संख्या कम है;

(ख) अतुल्य भारत पर्यटक सु वधा प्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम का सांख्यिकीय डेटा और लाभा र्थयों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार इस क्षेत्र में कार्यरत युवाओं की कम संख्या को देखते हुए अतुल्य भारत पर्यटक सु वधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम में कोई संशोधन करने का वचार रखती है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क): पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजक क्षेत्रों में से एक है और वदेशी मुद्रा आय (एफईई) के एक बड़े हिस्से के सृजन में योगदान देता रहा है। वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लए तीसरे टीएसए (पर्यटन उपग्रह लेखा) के अनुसार , देश के रोजगार में पर्यटन का योगदान निम्नानुसार है:

	2017-18	2018-19	2019-20
नौकरियों में हिस्सेदारी (% में)	14.78	14.87	15.34
प्रत्यक्ष (%)	6.44	6.48	6.69
अप्रत्यक्ष **(%)**	8.34	8.39	8.65
पर्यटन से प्रत्यक्ष + अप्रत्यक्ष नौकरियां(लाख में)	72.69	75.85	79.86

(ख): दिनांक 18.07.2022 की स्थिति के अनुसार अतुल्य भारत पर्यटन सु वधा प्रदाता (आईआईटीएफ) के बे सक सर्टि फकेट कोर्स के 03 बैचो के लए परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं, जिसके अंतर्गत कुल 3795 उम्मीदवारों को सफल घो षत कया गया है और उनका पु लस सत्यापन पूरा होने के बाद उन्हें प्रमाण पत्र जारी कए जा रहे हैं। आईआईटीएफ प्रमाणन कार्यक्रम के लए संशो धत दिशानिर्देश के तहत , मौजूदा क्षेत्रीय स्तर के गाइड (आरएलजी) का नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) कर दिया गया है। कुल 1795 आईआईटीजी (पूर्व में आरएलजी के रूप में जाने जाते थे) ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लया है।

(ग) और (घ) : आईआईटीएफसी कार्यक्रम को देशभर में सुप्र श क्षत तथा पेशेवर पर्यटक सु वधाप्रदाताओं का एक समूह सृजित करने के उद्देश्य से 01.01.2020 को शुरू कया गया था। यह एक डजिटल पहल है, जो अभ्य र्थयों के लए मूलभूत , उच्च स्तरीय (वरासत तथा साह सक), मौ खक भाषा और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के लए आईआईटीएफसी कार्यक्रम के तहत एक ऑनलाइन शक्षण मंच प्रदान करती है। आईआईटीएफसी के लए दिशानिर्देशों को बाजार की मांग , पर्यटन हितधारकों के अनुरोध आदि को ध्यान में रखते हुए तैयार कया गया है। हाल ही में , हितधारकों से प्राप्त अनुरोध के अनुसार , आईआईटीजी (उन्नत एवं वरासत) पाठ्यक्रम के लए न्यूनतम शै क्षक मानदंड को स्नातक या समकक्ष डग्री कर दिया गया है।

****